हैदराबाद। ब्रह्माकुमारीज़ के पब्लिक रिलेशन के डायरेक्टर ब्र.कु.करूणा को ''गोल्डन ट्रिंग्ल अवार्ड'' से सम्मानित करते हुए डॉ.आर.वी.चंद्रा वादान।

अहमदनगर। पूर्व राष्ट्रपति डॉ.ए.जी.जे.अब्दुल कलाम को 'रक्षा-सूत्र' बांधते हुए ब्र.कु.राजेश्वरी बहन, साथ में हैं ब्र.कु.दीपक।

उपचार में शामिल हो अध्यात्म - शर्मा

ज्ञानसरोवर। समाज में बढ़ती मानसिक एवं शारीरिक व्याधियों की रोकथाम के लिए चिकित्सा वैज्ञानिकों को आध्यात्मिक ज्ञान, प्रेम, करूणा एवं सहज राजयोग को उपचार प्रक्रिया में शामिल करना चाहिए। तभी हम तन के साथ-साथ मन का भी ईलाज कर पायेंगे।

उक्त उद्गार ओमान सरकार के स्वास्थ्य विभाग के एच.ओ.डी. डॉ.राधा शर्मा ने ब्रह्माकुमारीज़ के चिकित्सा प्रभाग द्वारा 'माइंड, बॉडी, मेडिसन एवं राजयोग' विषय पर आयोजित अखिल भारतीय चिकित्सा वैज्ञानिक सम्मेलन में देश भर से आये डॉक्टरों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा स्वास्थ्य परिभाषा की कसौटी को मूर्तरूप देने के लिए नित नये अनुसंधानों के साथ-साथ चिकित्सकों और मरीजों को भी आध्यात्मिकता से जोड़ने का पुनीत कार्य किया जाये तो व्याधियों को शीघ्र ही नियंत्रण में लाया जा सकता है। समाज में बढ़ते हुए तनाव के समाधान के लिए प्राचीन भारतीय संस्कृति के सहज राजयोग पद्धति को अपनाना चाहिए।

संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि स्वयं को आत्मा नहीं शरीर समझने के कारण ही जीवन में दु:ख-अशांति व बीमारियां बढ़ती जा रही है। यदि हम स्वयं को आत्मा निश्चय कर ज्योतिर्बिन्दु पिता परमात्मा को याद करते हैं तो इससे आत्मिक शक्ति बढ़ती है जो कि बीमारी के समय हमारे मनोबल को गिरने नहीं देती है और आत्मविश्वास को बनाए रखती है और यही शक्ति हमें बीमारी से लड़ने में मदद करती है। बी.एस.ई.एस.अस्पताल, मुम्बई के निदेशक तथा कैंसर सर्जन डॉ.अशोक मेहता ने कहा कि दवा से ज्यादा दुआ काम करती है। दुआ किसी से मांगने से नहीं मिलती है बल्कि जब हम किसी की दिल से सेवा करते हैं तो उसके द्वारा स्वत: ही दुआयें मिलती है। नई दिल्ली से आए डॉ.बलराम ऐरन ने कहा कि इच्छा अकांक्षा की तरंगे मानवीय मस्तिष्क पर जब तक हावी रहेंगी तब तक मानव तनावपूर्ण व कष्टमय जीवन व्यतीत करने के लिए विवश रहेगा। इसके लिए अध्यात्म का मार्ग ही सबसे सहज है क्योंकि आध्यात्मिकता मन को सशक्त कर आपसी सम्बन्धों को मधुर बनाती है। प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ.गिरीश पटेल ने कहा कि दृढ़ इच्छा शक्ति से मन को सकारात्मक दिशा देने से

शेष भाग पृष्ठ 4 पर

ज्ञानसरोवर। कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए दादी हृदयमोहिनी, ओमान सरकार के डॉ.राधा शर्मा, डॉ.निरंजना शाह, डॉ.बलराम ऐरन, डॉ.अशोक मेहता, डॉ.प्रताप मिढ्ढा, डॉ.गिरीश पटेल एवं डॉ.बनारसीलाल शाह।

भविष्य को उज्ज्वल बनाती है प्रशासक की दूर दृष्टि

ज्ञानसरोवर। जनता व सरकार के बीच महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रशासक की सकारात्मक दूर दृष्टि भविष्य को उज्ज्वल बनाती है। कार्य में पारदर्शिता लाने के लिए नि:स्वार्थ भाव होना जरूरी है।

उक्त उद्गार दिल्ली एवं चंडीगढ़ के चुनाव आयुक्त राकेश मेहता ने ब्रह्माकुमारीज़ के प्रशासक प्रभाग द्वारा आयोजित चार दिवसीय सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के प्रति संवेदना रखने वाले कुशल प्रशासक समाज को सही दिशा दिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं।

संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि कथनी-करनी, लक्ष्य-लक्षण में समानता लाने के लिए अपने जीवन को चरित्रवान बनाने में सदैव प्रयासरत रहना चाहिए। संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि प्रशासन को बेहतर ढंग से चलाने के लिए स्वयं में मूल्यों की धारणा करना अनिवार्य है। नि:स्वार्थ व निर्मल मनोवृत्ति वाला कुशल प्रशासक ही जनता के अधिकारों को बिना किसी भेद-भाव के उन तक पहुंचा सकता है।

उत्तरप्रदेश मानवाधिकार आयोग के सचिव जितेंद्र कुमार ने कहा कि जीवन का उद्देश्य केवल स्वयं के लिए नहीं, बल्कि दूसरों की तकलीफों को दूर करना होना चाहिए। नेपाल से आए पूर्व मुख्य सचिव दामोदर पी.गौतम ने कहा कि आध्यात्मिकता को जीवन में धारण करने से व्यक्ति चरित्रवान बन जाता है।

संस्था के महासचिव ब्र.कु.निर्वैर ने कहा कि हम चाहे जितनी योजनाएं बनाएं या धन खर्च करें लेकिन यदि चारित्र का अभाव है तो सफलता प्राप्त नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि अध्यात्म समाज को जोड़ने का सशक्त माध्यम है।

प्रशासक सेवा प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु.आशा ने कहा कि मूल्यों की धारणा करने से ही समाज में व्याप्त नफरत, हिंसा व वैर-विरोध की भावनाओं को समाप्त किया जा सकता है। मुख्यालय संयोजक ब्र.कु.हरीश ने कहा कि जीवन में स्थाई रूप से शांति प्राप्त करने के लिए आत्मिक शक्ति को जागृत करना होगा। इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु.अवधेश व ब्र.कु.रोहित ने भी सम्बोधित किया।

ज्ञानसरोवर। प्रशासकों के लिए आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन हैं ओ.आर.सी.की निदेशिका ब्र.कु.आशा, ब्र.कु.निर्वैर, ब्र.कु.हरीश, ब्र.कु.उर्मील तथा अन्य।

सदस्यता शुल्क

भारत – वार्षिक 170 रूपये,
तीन वर्ष 510 रूपये
आजीवन 4000 रूपये
विदेश – 2000 *रूपये (वार्षिक)*
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें ।

पत्र-व्यवहार

सम्पादक : ब्र.कु.गंगाधर
ओम् शान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, तलहटी
पोस्ट बॉक्स नं. - 5, आबू रोड (राज.) 307510
Enquiry for Membership and complain (m)-09414006096
(M)- 9414154344, E-mail : mediabkm@gmail.com,
omshantimedia@bkivv.org, webside:www.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHN/2000/721, NEWS PAPER TO POST CONCSSIONAL REGISTRATION NO. RJ/SIROHI/9623/12-14, 12TH TO 14 TH, 22 ND TO 24TH POSTED TO SHANTIVAN POST OFFICE
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, प्रकाशक: ब्र.कु.करूणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।